भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 5643
दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

इजराइल में भारतीय कामगारों की कार्य दशा

5643. **डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियनः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत सरकार और इजराइली सरकार व कंपनियों के बीच हुए समझौते के अनुसार अक्तूबर, 2023से काम करने के लिए इजराइल भेजे गए भारतीय कामगारों का ब्यौरा क्या है;
(ख) भारतीय कामगारों को नौकरी पर रखने वाली इजराइल की कंपनियों के नाम क्या हैं और उनकी नौकरी की प्रकृति, इजराइल में नौकरी के स्थान आदि का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या इजराइल में काम पर भेजे जाने से पूर्व सभी कामगारों का बीमा कराया गया था, यदि हां, तो बीमा कवरेज का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या मंत्रालय कार्य की परिस्थितियों, उनके स्वास्थ्य और अन्य मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर कामगारों के संपर्क में है; और
(ङ) यदि हां, तो मंत्रालय युद्घरत्त क्षेत्र में कार्य में लगाए गए कामगारों की सुरक्षा और कल्याण को किस प्रकार सुनिश्चित कर रहा है और इस संबंध में क्या ठोस कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री

[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) से (ङ) नवंबर 2023 में इजराइल के साथ हस्ताक्षरित द्विपक्षीय रूपरेखा करार के तहत, 10 मार्च 2025 तक 6694 भारतीय कामगार कार्य के लिए इजरायल पहुंच चुके हैं। उन्हें इजराइली प्राधिकारियों द्वारा भर्ती किया गया है, जिन्होंने चयनित आवेदकों को इजराइल में काम करने के लिए 195 इजराइली कंपनियों को सौंपा है। इन 6694 भारतीय कामगारों में से 2348 बिल्डिंग फ्रेमवर्क में, 1955 आयरन बेंडिंग में, 1600 प्लास्टरिंग में और 791 सिरेमिक टाइलिंग में तैनात हैं।

इजराइल के साथ हस्ताक्षरित रूपरेखा करार एवं कार्यान्वयन प्रोटोकॉल के अनुसार, भारतीय श्रमिकों को इजराइली नागरिकों के समान श्रम अधिकारों के संबंध में समान व्यवहार मिलेगा और उन्हें उचित आवास, चिकित्सा बीमा और संगत सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान किया जाएगा।

इजराइल में भारतीय राजदूतावास भारतीय कामगारों के संपर्क में है तथा सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने के लिए लगातार कोंसली दौरे आयोजित करता है। राजदूतावास ने इजराइल में भारतीयों की सहायता के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन स्थापित की है। कुछ कामगारों ने अपनी शिकायतों के लिए संपर्क किया था कि उन्हें जिस नौकरी का आश्वासन दिया गया था, वह उन्हें नहीं दी गई। इन शिकायतों को इजराइल में संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष उठाया गया था, जिन्होंने मामले का समाधान कर दिया है।

*****